अमर उजाला

बरेली
शनिवार, 1 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण-तृतीया
विक्रम संवत-2083

PAGE NO : 04 MIDDLE

एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल में रोबोट से 70 वर्षीय महिला का घुटना प्रत्यारोपण

व्यावसायिक गतिविधि

बरेली (वि)। रोबोट की मदद से घुटना प्रत्यारोपण होने के साथ एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल रुहेलखंड और कुमायूं रीजन का पहला फुली आटोमेटेड रोबोटिक नी ट्रांसप्लांट सेंटर बन गया। यह उपलब्धि आर्थोपैडिक सर्जन डा.ध्रुव गोयल ने एसआरएमएस गुडलाइफ के नाम की। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति इसे बड़ी सफलता बताया और मरीजों की सेवा के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट के संकल्प को दोहराया। डा.ध्रुव गोयल ने बताया कि बरेली निवासी 70 वर्ष की महिला के दोनों घुटनों का फुली आटोमेटेड ट्रांसप्लांट किया। सफल ट्रांसप्लांट से उन्हें वर्षों के दर्द से आजादी मिली। अभी तक घुटनों का प्रत्यारोपण पारंपरिक विधि से किया जाता था, जिससे रिकवरी में समय लगता था। अत्याधुनिक फुली आटोमेटेड रोबोटिक नी ट्रांसप्लांट तकनीकी से रोबोट के माध्यम से थ्री डायमेंशन से सर्जरी करना संभव। इसमें दोनों घुटनों का एलाइनमेंट कंप्यूटर से किया जाता है। मरीज को दिक्कत बेहद कम होती है और घुटनों की लाइफ बढ़ने के साथ ही मरीज के पैर भी सीधे रहते हैं।